P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-7* ISSUE-7* March- 2020
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

शिक्षकों की आयु का छात्रों के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन

मोनालिसा
विभागाध्यक्षा,
शिक्षक प्रशिक्षण विभाग,
एलजेब्रा कॉलेज,
कोटा, राजस्थान, भारत

सारांश

सृष्टि के प्रारम्भ से ही मानव ने कुछ जानने की, सीखने की अपनी प्रकृति को प्रकट किया है, उसी प्रवृत्ति के फलस्वरूप वह श्रेष्ठ से श्रेष्ठतर के मार्ग पर आगे बढ़ा भी है। शिक्षा का अर्थ है – सीखना और सीखाना। यह सीखना व सिखाने की प्रक्रिया शिक्षण प्रतिक्रिया द्वारा संभव है। एच.सी.मॉरीसन के अनुसार ''शिक्षण एक अधिक परिपक्व व्यक्तित्व और कम परिपक्व व्यक्तित्व के मध्य घनिष्ठ सम्बन्ध है जिसका प्रारूप पिछले (अपरिपक्व व्यक्ति) को शिक्षित करने के लिए बनाया जाता है।'' अतः शिक्षण श्रेष्ठ–अधीनस्थ संबंध के अंतर्गत शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच अन्तःक्रिया की एक प्रक्रिया है। शिक्षा के तीन प्रमुख आधार अर्थात् ''शिक्षक'', ''बालक'' और ''पाठ्यक्रम'' माने गए हैं। शिक्षण इन तीनों में एक प्रतिस्थापित संबंध है। इन तीनों तत्वों का शिक्षण प्रक्रिया में प्रमुख स्थान है। इनकी अनुपस्थिति में शिक्षण संभव नहीं। इन तीनों तत्वों में शिक्षक ही सम्पूर्ण प्रक्रिया को स्थापित व विकसित करने वाला सक्रिय अभिकर्ता होता है। योग्य शिक्षक के महत्व को स्वीकार करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में कहा गया है कि ''किसी समाज में शिक्षकों के दर्जे से उसकी सांस्कृतिक–सामाजिक दृष्टि का पता लगता है। कहा गया है कि कोई राष्ट्र अपने शिक्षकों के स्तर से ऊपर नहीं उठ सकता। हर पल परिवर्तनोन्मुख वर्तमान समाज में शिक्षा व्यवस्था के प्रमुख स्तम्भ शिक्षक की भूमिका निर्विवाद रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि शिक्षक ही वह बिन्दु है जो अपने प्रयासों से किसी भी शिक्षा व्यवस्था एवं उद्देश्यों को सफल बनाता है।''

मुख्य शब्द : शिक्षक, शिक्षण प्रणाली, पाठ्यक्रम।

प्रस्तावना

कक्षा में शिक्षक के व्यवहार को छात्र, विद्यालय, समुदाय आदि प्रभावित करते हैं। इन कारकों से सहयोग प्राप्त होने पर शिक्षक की कक्षा–कक्ष के छात्रों के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति विकसित होती है। अभिवृत्तियाँ ही व्यक्ति के मानसिक व सामाजिक व्यवहारों को दिशा प्रदान करती है। किसी विचार, वस्तु, प्राणी या घटना के प्रति जैसी अभिवृत्ति होती है, व्यक्ति उसके प्रति वैसा ही व्यवहार करता है। थर्स्टन के अनुसार – ''किसी मनोवैज्ञानिक वस्तु या पदार्थ से संबंधित ऋणात्मक या धनात्मक प्रभावों की मात्रा ही अभिवृत्ति है।'' एक अच्छे शिक्षक में कई गुणों का समावेश होना चाहिए जैसे अपने विषय का ज्ञाता, शिक्षण विधि में दक्ष आदि परन्तु इन सभी में दक्षता प्राप्त करने के साथ यह भी आवश्यक है कि वह छात्रों से प्रेम करता हो, उनका सम्मान करता हो।

शिक्षक का दृष्टिकोण छात्रों के प्रति सहयोगात्मक व मित्रवत् होना चाहिए। शिक्षक में अपने शिष्यों के प्रति प्रेम होना चाहिए। अतः शिक्षक की छात्रों के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति होनी चाहिए।

औचित्य

व्यक्ति का व्यवहार कहीं न कहीं अभिवृत्ति से अवश्य रूप से प्रभावित होता है। इसलिए शोधकर्त्री के मन में विचार आया कि क्या शिक्षक की छात्रों के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति पर उनकी आयु का प्रभाव पड़ता है या नहीं? क्या निजी क्षेत्र में कार्यरत व सरकारी क्षेत्र में कार्यरत शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति आयु से प्रभावित होती है? इन्हीं प्रश्नों को ध्यान में रखकर निम्न शोध विषय का चयन किया गया है।

शोध कथन

''शिक्षकों की आयु का छात्रों के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।''

अध्ययन के उद्देश्य

1. कम तथा अधिक आयु के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. सरकारी विद्यालय में कार्यरत कम तथा अधिक आयु के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-7* ISSUE-7* March- 2020
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

3. निजी विद्यालय में कार्यरत कम तथा अधिक आयु के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पना

1. कम तथा अधिक आयु के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं होता है।
2. सरकारी विद्यालय में कार्यरत कम तथा अधिक आयु के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं होता है।
3. निजी विद्यालय में कार्यरत कम तथा अधिक आयु के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं होता है।

शोध अध्ययन की सीमांकन

प्रस्तुत अध्ययन कोटा जिले के शिक्षकों तक ही सीमित रहेगा। आयु की दृष्टि से दो वर्ग निर्धारित किये गये। 20–40 वर्ष की आयु के शिक्षकों को कम आयु के शिक्षक तथा 41–60 वर्ष की आयु के शिक्षकों को अधिक आयु के शिक्षक कहा गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन में कोटा जिले के 200 शिक्षक जिसमें से 100 सरकारी व 100 निजी शिक्षकों का आयु के आधार पर चयन किया गया है।

शोध उपकरण

आँकड़ों के संग्रहण हेतु स्वनिर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया। प्रश्नावली के निम्न चार आयाम है – शैक्षिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक व निर्देशन/परामर्श। शोधकर्त्री द्वारा विशेषज्ञों की राय, विश्वसनीयता, वैधता आदि चरणों से गुजरकर उपकरण को मानकीकृत बनाने का प्रयास किया गया। जिसमें कुल 60 प्रश्न है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध अध्ययन में निर्धारित उद्देश्य एवं परिकल्पनाओं के परीक्षण हेतु मध्यमान, मानक विचलन, मध्यमानों में सार्थकता का अन्तर हेतु 't' मूल्य का प्रयोग किया गया।

विश्लेषण व व्याख्या

कम आयु तथा अधिक आयु के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

सारणी 1

कम आयु तथा अधिक आयु के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक विश्लेषण

क्र.सं.	छात्रों के प्रति अभिवृत्ति मापनी के क्षेत्र	कम आयु वाले शिक्षक (N=100)		अधिक आयु वाले शिक्षक (N=100)		t-Value
		Mean	S.D.	Mean	S.D.	
1	शैक्षिक क्षेत्र	51.28	6.20	51.76	4.94	0.61 (N.S.)
2	मनोवैज्ञानिक क्षेत्र	58.70	9.02	62.17	8.62	2.78**
3	सामाजिक क्षेत्र	63.60	8.10	65.32	7.06	1.61 (N.S.)
4	निर्देशन एवं परामर्श	30.82	4.40	32.76	4.24	3.18**
5	समग्र	51.10	14.25	53.01	14.27	1.87 (N.S.)

स्वतंत्रता के अंश (df=198) पर N.S. = Not Significant

0.05 स्तर पर सारणीमान = 1.97 *0.05 स्तर पर सार्थक

0.01 स्तर पर सारणीमान = 2.60 **0.01 स्तर पर सार्थक

कम आयु तथा अधिक आयु के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति मापनी के प्रथम क्षेत्र ''शैक्षिक'' व तृतीय क्षेत्र ''सामाजिक'' पर टी–मान क्रमशः 0.61 व 1.61 प्राप्त हुआ जो स्वतंत्रता के अंश (df=98) के 0.05 स्तर के सारणीमान से कम पाया गया। अतः दोनों समूह के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति के प्रथम व तृतीय क्षेत्र क्रमशः ''शैक्षिक'' व ''सामाजिक'' के प्रति अभिवृत्ति समान पाई गई। मापनी के द्वितीय व तृतीय क्षेत्र क्रमशः ''मनोवैज्ञानिक'' व ''निर्देशन एवं परामर्श'' पर टी मान क्रमशः 2.78 व 3.18 प्राप्त हुआ। जो स्वतंत्रता के अंश (df=98) के 0.05 व 0.01 स्तर के सारणीमान से अधिक पाया गया। अतः अधिक आयु वाले शिक्षक मानते हैं कि वर्तमान में भी एकलव्य जैसे आज्ञाकारी छात्र होते हैं। छात्र शिक्षक को पिता तुल्य समझते हैं। छात्र असत्य नहीं बोलते हैं। छात्र शिक्षक द्वारा दिए गए निर्देशन को ध्यानपूर्वक सुनते हैं व जीवन में अपनाते हैं। छात्र परामर्श को जीवन में महत्व देते हैं। अतः अधिक आयु वाले शिक्षक कम आयु वाले शिक्षकों की अपेक्षा छात्रों के प्रति अभिवृत्ति के ''मनोवैज्ञानिक'' व ''निदेशन व परामर्श'' क्षेत्र के प्रति अधिक सकारात्मक सोच रखते है। समग्र क्षेत्रों पर कम आयु तथा अधिक आयु वाले शिक्षकों का छात्रों के प्रति अभिवृत्ति मापनी पर प्राप्तांकों का मध्यमान 51.10 व 53.01 तथा मानक विचलन क्रमशः 14.25 व 14.27 प्राप्त हुआ। मध्यमान के अन्तर की सार्थकता की जाँच के लिए टी–परीक्षण प्रयुक्त किया गया। टी–मान 1.87 प्राप्त हुआ जो स्वतंत्रता के अंश (df=98) के 0.05 स्तर के सारणीमान से कम पाया गया। अतः दोनों समूह के शिक्षकों के मध्यमानों में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। अर्थात् कम तथा अधिक आयु के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति समान पाई गई। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

सरकारी विद्यालयों में कार्यरत कम तथा अधिक आयु वाले शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

सारणी 2

सरकारी विद्यालयों में कार्यरत कम तथा अधिक आयु वाले शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक विश्लेषण

क्र.सं.	छात्रों के प्रति अभिवृत्ति मापनी के क्षेत्र	कम आयु वाले सरकारी शिक्षक (N=50)		अधिक आयु वाले सरकारी शिक्षक (N=50)		t-Value
		Mean	S.D.	Mean	S.D.	
1	शैक्षिक क्षेत्र	52.16	4.77	50.96	4.59	1.28 (N.S.)
2	मनोवैज्ञानिक क्षेत्र	57.60	6.87	61.28	5.57	2.94**
3	सामाजिक क्षेत्र	62.52	6.96	62.96	5.62	0.35 (N.S.)
4	निर्देशन एवं परामर्श	30.56	3.60	32.12	3.36	2.24*
5	समग्र	50.71	13.32	51.83	13.22	0.84 (N.S.)

स्वतंत्रता के अंश (df=98) पर N.S. = Not Significant

0.05 स्तर पर सारणीमान = 1.98 *0.05 स्तर पर सार्थक

0.01 स्तर पर सारणीमान = 2.63 **0.01 स्तर पर सार्थक

सरकारी विद्यालयों में कार्यरत कम आयु तथा अधिक आयु के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति के प्रथम क्षेत्र ''शैक्षिक'' व तृतीय क्षेत्र ''सामाजिक'' पर टी मान क्रमशः 1.28 व 0.35 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश (df=98) के 0.05 स्तर के सारणीमान से कम पाया गया। मापनी के द्वितीय क्षेत्र ''मनोवैज्ञानिक'' व चतुर्थ क्षेत्र ''निर्देशन एवं परामर्श'' पर टी मान क्रमशः 2.94 व 2.24 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश (df=98) के 0.01 व 0.05 स्तर सारणीयन से अधिक पाया गया। अर्थात् अधिक आयु वाले सरकारी शिक्षक कम आयु वाले सरकारी शिक्षक की अपेक्षा 'मनोवैज्ञानिक' व 'निर्देशन' क्षेत्र पर अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण रखते है। समग्र क्षेत्रों पर सरकारी विद्यालयों में कार्यरत कम आयु तथा अधिक आयु के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति के 'समग्र क्षेत्रों' पर प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमशः 50.71 व 51.83 तथा मानक विचलन क्रमशः 13.32 व 13.22 प्राप्त हुआ। टी–मान 0.84 प्राप्त हुआ। जो स्वतंत्रता के अंश (df=98) के 0.05 स्तर के सारणीमान से कम पाया गया। अतः दोनों समूह के शिक्षकों के प्राप्तांकों के मध्यमानों में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। अर्थात् दोनों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति समान पायी गई। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निजी विद्यालयों में कार्यरत कम तथा अधिक आयु वाले शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

सारणी 3

निजी विद्यालयों में कार्यरत कम तथा अधिक आयु वाले शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक विश्लेषण

क्र.सं.	छात्रों के प्रति अभिवृत्ति मापनी के क्षेत्र	कम आयु वाले निजी शिक्षक (N=50)		अधिक आयु वाले निजी शिक्षक (N=50)		t-Value
		Mean	S.D.	Mean	S.D.	
1	शैक्षिक क्षेत्र	50.40	7.24	52.56	5.14	1.72 (N.S.)
2	मनोवैज्ञानिक क्षेत्र	59.80	10.83	63.06	9.92	1.57 (N.S.)
3	सामाजिक क्षेत्र	64.68	8.97	67.68	7.55	1.81 (N.S.)
4	निर्देशन एवं परामर्श	31.08	5.07	33.40	4.58	2.40*
5	समग्र क्षेत्र	51.49	15.12	54.18	15.01	1.79 (N.S.)

स्वतंत्रता के अंश (df=98) पर N.S. = Not Significant

0.05 स्तर पर सारणीमान = 1.98 *0.05 स्तर पर सार्थक

0.01 स्तर पर सारणीमान = 2.63 **0.01 स्तर पर सार्थक

निजी विद्यालयों में कार्यरत कम आयु तथा अधिक आयु के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति के प्रथम क्षेत्र ''शैक्षिक'' द्वितीय क्षेत्र ''मनोवैज्ञानिक क्षेत्र'' तथा तृतीय क्षेत्र ''सामाजिक क्षेत्र'' पर टी–मान क्रमशः 1.72, 1. 57 व 1.81 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश (df=98) के 0.05 स्तर के सारणीमान से कम पाया गया। अतः दोनों समूह के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति के प्रथम तीनों क्षेत्रों पर अभिवृत्ति समान पाई गई। मापनी के चतुर्थ क्षेत्र निर्देशक व परामर्श पर टी–मान क्रमशः 2.40 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश (df=98) के 0.05 स्तर के सारणीमान से अधिक पाया गया। अर्थात् अधिक आयु वाले निजी शिक्षक मानते हैं कि छात्र शिक्षक द्वारा दी गई राय या परामर्श को महत्व देते हैं। छात्र शिक्षक द्वारा दिए गए निर्देशन को ध्यानपूर्वक सुनते हैं व जीवन में अपनाते हैं। समग्र क्षेत्रों पर निजी विद्यालयों में कार्यरत कम आयु तथा अधिक आयु के शिक्षकों की छात्रों के प्रति

अभिवृत्ति पर प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमशः 51.49 व 54.18 तथा मानक विचलन क्रमशः 15.12 व 15.01 प्राप्त हुआ। मध्यमान के अन्तर की सार्थकता की जाँच के लिए टी–परीक्षण प्रयुक्त किया गया। टी–मान 1.79 प्राप्त हुआ, जो स्वतंत्रता के अंश (df=98) के 0.05 स्तर के सारणीमान से कम पाया गया। अतः दोनों समूह के शिक्षकों के प्राप्तांकों के मध्यमानों में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। अर्थात् निजी विद्यालयों में कार्यरत कम आयु व अधिक आयु के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति समान पायी गई। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष

1. कम आयु व अधिक आयु वाले शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति समान पाई गई।
2. सरकारी विद्यालयों में कार्यरत कम आयु व अधिक आयु वाले शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति समान पाई गई।
3. निजी विद्यालयों में कार्यरत कम आयु व अधिक आयु वाले शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति समान पाई गई।

शैक्षिक निहितार्थ

1. विभिन्न पाठ्य सहगामी क्रियाओं का आयोजन कर शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति को सुदृढ़ता प्रदान करनी चाहिए।

भावी अध्ययन हेतु सुझाव

1. लिंग के आधार पर शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
2. शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों की छात्रों के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

Asthana, Bipin, Srivastava Vijaya, Asthana Nidhi (2011), "Research Methodology", Agrawal Publications, Agra.

Best, John W. (1977), "Research in Education", Englewood Cliffs, New Jersey Prentice Hall Inc.

Buch M.B. (1993-96): Sixth Survey of Educational Research Vol-VI, NCERT

Gangne R.M. (1965) "The Conditions of Leaning" New York: Holt. "